Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language,
Online ISSN 2348-3083, SJ IMPACT FACTOR 2021: 7.278, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL, APRIL-MAY, 2022, VOL-10/51

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण का स्वरूप एवं उपयोगिता

मीनाक्षी सिंह रावत

सहायक आचार्य,शिक्षाशास्त्र विभाग, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय,हरिद्वार

मेल–singhmeenakshi2015@gmail.com

Paper Received On: 25 MAY 2022
Peer Reviewed On: 31 MAY 2022
Published On: 1 JUNE 2022

Abstract

शिक्षा मंत्रालय (मानव संसाधन विकास मंत्रालय) जो कि विद्यालयीय शिक्षा एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहा हैं। उच्चत्तर शिक्षा एवं अनुसंधान में विश्व स्तरीय अवसर पैदा करने के कार्य में लगा हुआ है, ताकि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारतीय विद्यार्थी पीछे न रहे। इस प्रयोजनार्थ मानव संसाधन विकास मत्रांलय के द्वारा उच्च शिक्षा की गुणात्मकता का मापन एवं सुधार करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित उच्च शिक्षा के लिए कार्यरत् विभिन्न संस्थानों की संगठनात्मक कार्य प्रणाली की गुणात्मकता की जांच करने हेतु किया जाने वाला अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण के कार्य योजना का निर्माण किया। इसके आधार पर भारतीय उच्च शिक्षा के लिए कार्य कर रहे संस्थानों की गुणात्मकता की जांच कर राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर स्थापित उच्च शैक्षणिक संस्थानों के शैक्षिक प्रोन्नति के स्तर को विभिन्न मानदण्डो के आधार पर मूल्यांकित कर संस्थानों को श्रेणी (रैंक) प्रदान कर सर्वोत्कृष्ट से कमजोर शैक्षणिक स्थिति में शैक्षणिक संस्थानों को दर्शाया जाता है। प्रस्तुत लेख के माध्यम से टास्क फोर्स के द्वारा अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण की पूर्णता हेतु सर्वेक्षण का स्वरूप किस प्रकार से रहेगा इसके नियोजन हेतु आयोजित बैठकों में लिये गये निर्णयों को स्पष्ट किया जा रहा है।

Scholarly Research Journal's** is licensed Based on a work at **www.srjis.com

प्रस्तावना– अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (All India Survey on Higher Education) मानव संसाधन विकास मत्रांलय के द्वारा उच्च शिक्षा की गुणात्मकता का मापन एवं सुधार करने हेतु राष्ट्रीय स्तर में संचालित विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं का भौतिक स्वरूप एवं मानवीय संसाधनों का अनुपात जांच करने हेतु किया जाने वाला डाटा बेस सर्वेक्षण है, जो कि ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से पूर्ण किया जाता है। राष्ट्र में स्थापित उच्च शैक्षणिक संस्थानों द्वारा प्रत्येक वर्ष सर्वेक्षण हेतु मांगी गयी जानकारी को वेबसाइट में अपलोड किया जाता है, जिसके आधार पर उच्च शिक्षा के गुणात्मकता अनुपात में सर्वाधिक अग्रणिय शिक्षण संस्थानों की सूची प्रत्येक वर्ष निकाली जाती हैं। इस प्रक्रिया के वास्तविक धरातल में अंगीकृत करने से पूर्व इसकी रूपरेखा एवं कार्यप्रणाली किस प्रकार की होगी यह सुनिश्चित करने हेतु शिक्षामंत्रालय के द्वारा एक टास्क फोर्स का निर्माण किया। अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण हेतु टास्क फोर्स के द्वारा समय–समय पर कुछ बैठकों का आयोजन कर अपनी रिपोर्ट को प्रस्तुत किया गया जिसमें यह सुनिश्चित किया जा रहा था कि अखिल भारतीय स्तर पर उच्च शिक्षा संस्थानों की वास्तविक गुणात्मक स्थिति किस प्रकार की है, क्या उच्च शिक्षण संस्थान केवल मात्रात्मक स्वरूप में प्रगतिशील तो नही है ? क्या उनके द्वारा दी जाने वाली व्यवस्थाओं और सुविधाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा की

गुणात्मकता मे कोई अभिवृद्धि हो रही है या नही ?कही ऐसा तो नही है कि संचाालित उच्च शिक्षण संस्थाओं की भौतिक एवं मानवीय संसाधनों की अपर्याप्त के कारण उच्च शिक्षा की गुणात्मकता में कोई प्रभाव पड रहा है।

AISHE सर्वे के नियोजन हेतु आयोजित महत्वपूर्ण बैठक– शिक्षा मंत्रालय (मानव संसाधन विकास मंत्रालय) के द्वारा उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु AISHE का गठन करने हेतु टॉस्क फोर्स (Task Force) का निर्माण किया गया। टास्क फोर्स के द्वारा कुछ महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गयी जिसके आधार पर उच्च शिक्षा का सर्वेक्षण कार्य को किस प्रकार पूर्ण किया जायेगा इसके संदर्भ में रूपरेखा तैयार की गयी, इस टास्क फोर्स निम्नलिखित क्षेत्रों के सदस्य नामित किये गये थे। –मानव संसाधन विकास मंत्रालय (Ministry of Human Resource Development),विश्वविद्यालय अनुदान आयोग(University grants commission), तकनीकी शिक्षा के लिए अखिल भारतीय परिषद(all india counicil for technical education),भारतीय चिकित्सा परिषद(medical council of india), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद(india council of agricultural resecach),केंद्रीय सांख्यिकी अधिकारी(central statistics officer) विश्वविद्यालय(Universities)एवं उच्च शिक्षा विभाग(higher education department) इत्यादि।

टास्क फोर्स की प्रथम बैठक 8 सितम्बर 2010 – उच्च शिक्षा सर्वेक्षण हेतु टॉस्क फोर्स की प्रथम बैठक श्री सुनील कुमार (Additional Secretary MHRD) की अध्यक्षता में 8 सितम्बर 2010 को की गयी। टॉस्क फोर्स के सदस्य के रूप में न्यूपा (NUEPA) के तात्कालिक कुलपति प्रो. आर. गोविन्दा द्वारा उच्च शिक्षा सर्वेक्षण हेतु कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये–

1) न्यूपा द्वारा किये जा रहे प्राथमिक शिक्षा सर्वेक्षण के समान उच्च शिक्षा का डाटा आधारित सर्वेक्षण हेतु अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण को बढ़ावा देने की बात बल दिया।

2) सर्वेक्षण के लिए प्राथमिक स्तर पर विश्वविद्यालयों से ही डाटा एकत्रित किया जाये तत्पश्चात विश्वविद्यालय के तर्ज पर महाविद्यालयों से डाटा एकत्रित किया जाये।

3) सर्वेक्षण हेतु डाटा को दो वर्ष के निश्चित समयान्तराल के अर्न्तगत एकत्रित किया जाये।

4) यह सर्वे पायलट सर्वे के आधार पर किया जाये।

5) पायलट सर्वे Indian Market Research Bureau (IMRB), Opinion Research Corporation (ORC) इत्यादि बहु–एजेंसी का सहयोग लेकर पूर्ण किया जाये।

6) डाटा का एकत्रिकरण ऑनलाइन मोड पर डाटा कम्प्यूटर फार्मेट का प्रयोग कर पूर्ण किया जाये।

टास्क फोर्स के द्वारा बैठक में यह निर्णय लिया गया

1 सभी नोडल ऐजेंसी एवं यूजीसी (UGC) को यह जिम्मेदारी दी जाये की वे अपने अन्तर्गत आने वाले संस्थाओं की सूची तैयार करे ।

2 नोडल ऐजेंसी आंकड़ों के संकलन हेतु आंकडा प्रपत्र भी तैयार करे ।

3 नोडल ऐजेंसी भौगोलिक क्षेत्रों के सर्वेक्षण हेतु कोर सूची भी तैयार करे।

4 पायलट सर्वेक्षण 31 मार्च 2011 तक पूर्ण करने का सार्थक प्रयास किया जाये।

5 Data collecting/ capture Form (DCF) का निर्माण हेतु श्री चन्द्र कांत (Joint director MHRD) की अध्यक्षता में चार सदस्यों की कमेटी का गठन किया गया।

टास्क फोर्स की द्वितीय बैठक 18 अक्टूबर 2010 –टास्क फोर्स के द्वारा 18 अक्टूबर 2010 को दुबारा बैठक की गयी बैठक में Data Capture Formats के ड्राफ्ट के सभी पदों पर विस्तृत व्याख्या एवं महत्वपूर्ण बदलाव हेतु टास्क फोर्स के सभी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

1 न्यूपा को सर्वेक्षण का नोडल ऐजेंसी बनाया गया

2 न्यूपा द्वारा सर्वे हेतु एक्शन प्लान बनाया जायेगा।

3 उच्च शिक्षा सांख्यिकी (डाटा) एकत्रिकरण केन्द्र न्यूपा होगा।

4 Data collecting/capture Form (DCF) को अन्तरिम स्वरूप निम्न सदस्यों द्वारा दिया जायेगा–

- ✓ Prof R.Govinda, Vice Chancellor, NUEPA- Chairman
- ✓ Dr.Vijay P Goel, DDG, MHRD
- ✓ Shri Bhart Bhushan, Director, DEC
- ✓ Shri M.S.Yadav, Chief Statistical officer, UGC
- ✓ V.V.S. Murty, Sr. Technical Director, NIC
- ✓ Ms.Ruchiksa Gupta, Deputy Director, MHRD

5 इस बैठक में प्रस्तुत DCF के प्रारूप पर हुई चर्चा के आधार पर MHRD द्वारा संशोधन किया जायेगा और संशोधित प्रारूप को एक सप्ताह के अन्दर DCF समिति के सभी सदस्यों को महत्वपूर्ण सुझाव देने के लिए भेज दिया जायेगा।

6 कम्प्यूटर अनुकूलित प्रारूप निर्मित करने के लिए राष्ट्रीय सूचना–विज्ञान केन्द्र (National informatics centre) को DCF साथ–साथ कोडिंग भी प्रदान की जायेगी।

7 DCF का कंप्यूटर अनुकूल प्रारूप तैयार करने का कार्य राष्ट्रीय सूचना–विज्ञान केन्द्र (National informatics centre) 2/3 सप्ताह के अन्दर पूरा करेगा।

8 Data Capture Formats (DCF) निर्धारित अन्तिम प्रारूप को टास्क फोर्स के प्रत्येक सदस्य को मेल के माध्यम से प्रेषित कर टास्क फोर्स की अगली बैठक में DCF को फाइनलाइज किया जायेगा।

9 तीन सप्ताह बाद राष्ट्रीय सूचना–विज्ञान केन्द्र (National informatics centre) के द्वारा बनाये गये DCF प्रारूप को अन्तिम रूप देने के सन्दर्भ में न्यूपा के कुपलति द्वारा एक बैठक ली जायेगी।

10 Data Capture Formats (DCF) के आधार पर पायलट परीक्षण को निम्न संस्थाओं पर किया जायेगा–

- दिल्ली विश्वविद्यालय एवं उससे सम्बन्धित कुछ महाविद्यालय।
- आई.पी विश्वविद्यालय एवं उससे सम्बन्धित कुछ महाविद्यालय।
- पॉलटैक्निक, नर्सिंग संस्थान, डाइट केन्द्र और गुजरात के अन्य विभिन्न प्रकार के संस्थान।
- मुक्त विश्वविद्यालय से इग्नू।
- राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान और दिल्ली में स्थित एक डीम्ड विश्वविद्यालय।

टास्क फोर्स की तृतीय बैठक 21 फरवरी 2011 – टास्क फोर्स द्वारा निम्न निर्णय लिये गये

1) पायलट परीक्षण निर्धारित समय (31 मार्च 2011) इस प्रकार से होगा–

अवधारणाओं और परिभाषाओं सहित अन्तिम रूप से तैयार अनुदेशन पुस्तिका	28 फरवरी 2011
पायलट परीक्षण को संचालित कर रहे अधिकारियों को प्रशिक्षण	मार्च द्वितीय सप्ताह 2011
क्षेत्र कार्य	21 मार्च से 3 अप्रैल 2011
पायलट परीक्षण रिर्पोट एवं DCF में परिमार्जन	15 अप्रैल 2011

2) न्यूपा के द्वारा मुख्य सर्वेक्षण हेतु लगने वाले समय, अनुमानित लागत सम्बन्धित प्रस्ताव तैयार किया जायेगा।

3) अनुमानित लागत में मुख्यतः तीन तत्वों को सम्मिलित किया जायेगा– पायलट परीक्षण, सॉफटवेयर विकास, मुख्य सर्वेक्षण।

4) पायलट परीक्षण हेतु चयनित विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, मुक्त विश्वविद्यालय, गुजरात के विभिन्न संस्थानों (दिल्ली विश्वविद्यालय एवं उससे सम्बन्धित कुछ महाविद्यालय, आई.पी विश्वविद्यालय एवं उससे सम्बन्धित कुछ महाविद्यालय, पॉलटैक्निक, नर्सिंग संस्थान, डाइट केन्द्र और गुजरात के अन्य विभिन्न प्रकार के संस्थान,मुक्त विश्वविद्यालय से इग्नू, राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान और दिल्ली में स्थित एक डीम्ड विश्वविद्यालय।) को चयनित किया गया।

5) पायलट परीक्षण न्यूपा (NUEPA), यूजीसी (UGC) एवं एमएचआरडी (MHRD) के अधिकारियों द्वारा किया जायेगा।

6) पायलट परीक्षण कार्य की निगरानी निम्नलिखित अधिकारियों द्वारा की जायेगी–

- ✓ Dr.Arun C. Mehta, NUEPA
- ✓ Dr. Sudhanshu Bhushan, NUEPA
- ✓ Dr. Anugula N. Reddy, NUEPA
- ✓ Dr M.s Yadav, Chief Statistical officer, UGC
- ✓ Shri Subhash Chadra, UGC
- ✓ Dr. Vijay P.Goel, DDG, MHRD
- ✓ Shri Sanjay, Director, MHRD
- ✓ Ms. Ruchika Gupta, Deputy Director, MHRD

7) पायलट परीक्षण के निष्कर्षों पर आधारित रिर्पोट न्यूपा के द्वारा यूजीसी/ एमएचआरडी के सहयोग से तैयार की जायेगी और आगे की कार्यवाही से पूर्व टास्क फोर्स के समक्ष रिर्पोट की प्रस्तुति देनी होगी।

8) 2010–11 रिकार्ड के लिए ऐतिहासिक डाटा का संकलन हेतु 30 सितम्बर 2010 से सर्वेक्षण किया जायेगा और 2011–12 रिकार्ड के लिए 30 सितम्बर 2011 में संस्थाओं के पुनः निरीक्षण कर डाटा संकलन किया जायेगा।

9) प्रो. आर. गोविन्दा, कुलपति, न्यूपा की अध्यक्षता एवं डॉ. विजय पी. गोयल, डी.डी.जी., एम.एच.आर.डी की सदस्यता में Project Approval Board (PAB) बनाया गया। अध्यक्ष बोर्ड में अन्य सदस्यों की आवश्यकता होने पर सदस्यों को नामित कर सकते है।

Copyright © 2022, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

टास्क फोर्स की चतुर्थ बैठक 3 मई 2011 – टास्क फोर्स द्वारा लिये गये निर्णय

1) पायलट परीक्षण के पश्चात DCF में परिवर्तनों शामिल कर संशोधित किया जायेगा। और टास्क फोर्स के सभी सदस्यों को अनुमोदित करने हेतु ई–मेल के माध्यम से अग्रिम रूप से दिया जायेगा।

2) न्यूपा के द्वारा सर्वेक्षण के लिए प्रोजेक्ट डायरेक्टर नियुक्त किया जायेगा।

3) AISHE सर्वेक्षण के लिए राष्ट्रीय सूचना–विज्ञान केन्द्र (National informatics centre) द्वारा Domain URL (http://aishe.nic.in and http://aishe.gov.in) तैयार किया जायेगा और इस सन्दर्भ आवश्यक कार्यवाही करने का दायित्व भी निर्वहित करेगा।

4) राष्ट्रीय सूचना–विज्ञान केन्द्र (National informatics centre) द्वारा सर्वेक्षण हेतु तैयार किया जा रहा सॉफटवेयर वार्षिक रूप से डाटा एकत्रित करने में सक्षम होगा।

5) टास्क फोर्स द्वारा अनुमोदित पायलट रिपोर्ट को सांख्यिकी ब्यूरो, एमएचआरडी द्वारा तैयार किया जायेगा।

6) अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, भारतीय नर्सिंग परिषद, और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद को मुख्य रूप से एकत्रित डाटा की सूची निर्मित करने का कार्य करेगें ।

7) DCF के डाटा को भरने से सम्बन्धित निर्देशिका और फार्म को उच्च शिक्षा विभाग एमएचआरडी की वेबसाइट पर अपलोड करके यूजीसी एनसीटीई एआईएसएचई एमसीआई आदि से जुडी संस्थाओं से छात्र/कर्मचारियों से सम्बन्धित डाटा को जाति एवं धर्म वार डीसीएफ में मागी गई सूचनाओं को एकत्रित करने हेतु सभी विश्वविद्यालयों से एकत्रित करने का निर्देश दिया गया।

8) विश्वविद्यालयों से एकत्रित छात्रों से सम्बन्धित डाटा को सीएसआईआर प्रयोगशाला में एकत्र किया जायेगा और संकाय से सम्बन्धित विवरण को प्रयोगशाला सीधे ही सीएसआईआर मुख्यालय से प्राप्त कर सकते है।

9) NIC के द्वारा तैयार किये जाने वाली निर्देशिका (Directory) के लिए यूजीसी एक्सेल फार्मेट में सभी विश्वविद्यालयों और उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों की सूची प्रदान करेगा।

विभिन्न गतिविधियों के लिए चैकलिस्ट/समय–सीमा

प्रोजेक्ट डायरेक्टर नियुक्त करना	अन्तिम रूप से निर्धारित DCF के आधार पर अनुदेशन संदर्शिका में संशोधन किया जायेगा– 20. 05.2011	Domain URL पंजीकरण
सलाहकार की नियुक्ति		सामान्य फार्म विकसित करना
नोडल अधिकारियों की पहचान/नियुक्ति	DCF और अनुदेशन संदर्शिका(Instruction manual) को वेबसाइट पर अपलोड करना–20. 05.2011	
प्रगणकों(Enumerators सर्वे करने के लिए नियोजित व्यक्ति)/पर्यवेक्षक की पहचान/ भर्ती।		विस्तृत फार्म का विकास करना।
काम पर रखे जाने वाले कर्मियों का पारिकश्रम निर्धारित करना।	सभी विश्वविद्यालयों को DCF के बारे में पत्र प्रेषित करना–30.05.2011	संपूर्ण सॉफटवेयर का विकास करना।
नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण	प्रेस वार्ता की तैयारी करना–15.05.2011	सॉफटवेयर पर प्रशिक्षण।
मुख्य सर्वेक्षण की अवधि	AICTE, NCTE, INC अध्यक्षों से बैठक करना– अन्तिम रूप दिये जाने पर	
रिर्पोट तैयार करना		रिर्पोट जनरेट करना।

Copyright © 2022, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

टॉस्क फोर्स की पांचवी बैठक (22 जून 2011) एवं छठवी बैठक (22 जून 2012) में पायलट सर्वे के सम्बंध में चर्चा की गयी और इस प्रकार से अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण को एक व्यस्थित स्वरूप प्रदान किया गया।

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण की उपयोगिता– उच्च शिक्षा की गुणात्मकता के मापन हेतु अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (AISHE) की आवश्यकता मानव संसाधन मत्रांलय को महसूस हुई ताकि गुणात्मक शिक्षा की प्रगति के लिए सहायक महत्पूर्ण तथ्यों के संदर्भ में उपयुक्त जानकारी सरकार को प्राप्त हो सके जिसके आधार पर शिक्षा के लिए नवीन योजनाओं एवं नीतियों का निर्धारण किया जा सके साथ ही उच्च शिक्षा में आ रही कमी की सही जानकारी प्राप्त हो सके। इसके लिए सर्वेक्षण डाटा के संकलन हेतु सकल नामांकन अनुपात ज्ञात करना, छात्र एवं अध्यापक/गैर शैक्षणिक कर्मचारियों का अनुपात ज्ञात करना, उच्च शिक्षण संस्थानों में संचालित कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त करना, उच्च शिक्षण संस्थाओं के परीक्षा परिणाम की स्थिति को जानना, उच्च शिक्षा हेतु वित्त व्यवस्था की स्थिति को जानना , उच्च शिणण संस्थाओं का बुनियादी ढांचा की जानकारी प्राप्त करना, उच्च शिक्षण संस्थानों/विश्वविद्यालयों की संख्या की जानकारी प्राप्त करना, सर्वाधिक उच्च शिक्षा संस्थान/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय वाले राज्यों की पहचान करना, लिंग समानता छात्र–छात्राओं की संख्या ज्ञात करना, प्रति छात्र व्यय की गणना, उच्च शैक्षणिक संस्थानों द्वारा लिया गया प्रत्यायन किया गया है जैसे कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को चयनित किया गया जो उच्च शैक्षणिक दशा एवं दिशा को राष्ट्रीय पटल पर स्पष्ट कर सके।

निष्कर्ष– उच्च शिक्षा सर्वेक्षण के लिए टास्क फोर्स के द्वारा आयोजित विभिन्न बैठकों में यह पूर्णतः सुनिश्चित कर लिया गया कि किस प्रकार से उच्च शिक्षा सर्वेक्षण के कार्य को डाटाबेस के आधार पर पूर्ण किया जायेगा साथ ही डाटा एकत्रित करने हेतु प्रारूपों का निर्धारण भी कर दिया गया और सम्पूर्ण उच्च शिक्षा के आंकलन हेतु यह निश्चित किया गया कि सर्वेक्षण के प्रथम स्वरूप में पायलट सर्वे करके सर्वेक्षण से प्राप्त परिणाम का मापन किया जायेगा। इस प्रकार पायलट सर्वे के पश्चात ही उच्च शिक्षा सर्वेक्षण को प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान पर इसको अंगीकृत किया जायेगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

http://aishe.nic.in
AISHE Task Force Meeting Report 08 sep 2010.
AISHE Task Force Meeting Report 18 oct 2010.
AISHE Task Force Meeting Report 21 feb 2011.
AISHE Task Force Meeting Report 03 may 2011.
AISHE Task Force Meeting Report 22 june 2011.
AISHE Task Force Meeting Report 22 june 2012.

Copyright © 2022, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language